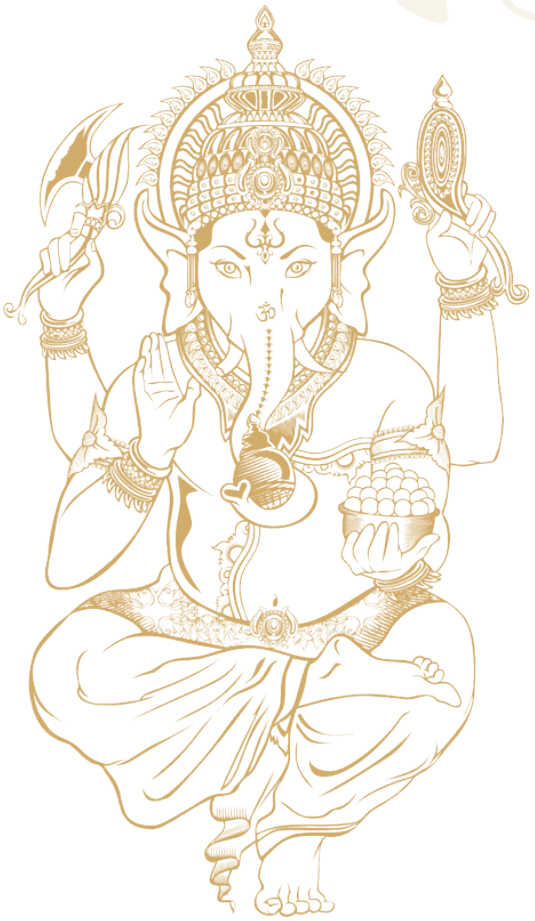

20 Dec 2025

09:28 PM

Bhopal

Model: web-freekundliweb

Order No: 120964714

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/12/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**21:28:00 घंटे**
इष्ट	36:17:41 घटी
स्थान	**Bhopal**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:17:00 उत्तर
रेखांश	77:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:07:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:24 घंटे
साम्पातिक काल	03:05:49 घंटे
सूर्योदय	06:56:55 घंटे
सूर्यास्त	17:38:50 घंटे
दिनमान	10:41:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:47:57 धनु
लग्न के अंश	26:17:45 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	26:17:45	320:22:17	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			धनु	04:47:57	01:01:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			धनु	11:22:03	12:06:48	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	धनु	09:49:30	00:45:30	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	17:34:50	01:26:10	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	28:32:06	00:06:51	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	00:43:10	01:15:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
शनि			मीन	01:23:18	00:02:23	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	17:35:01	00:13:03	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	17:35:01	00:13:03	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:04:46	00:02:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:10:53	00:00:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:10:08	00:01:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	24:41:27	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:16

लग्न-चलित

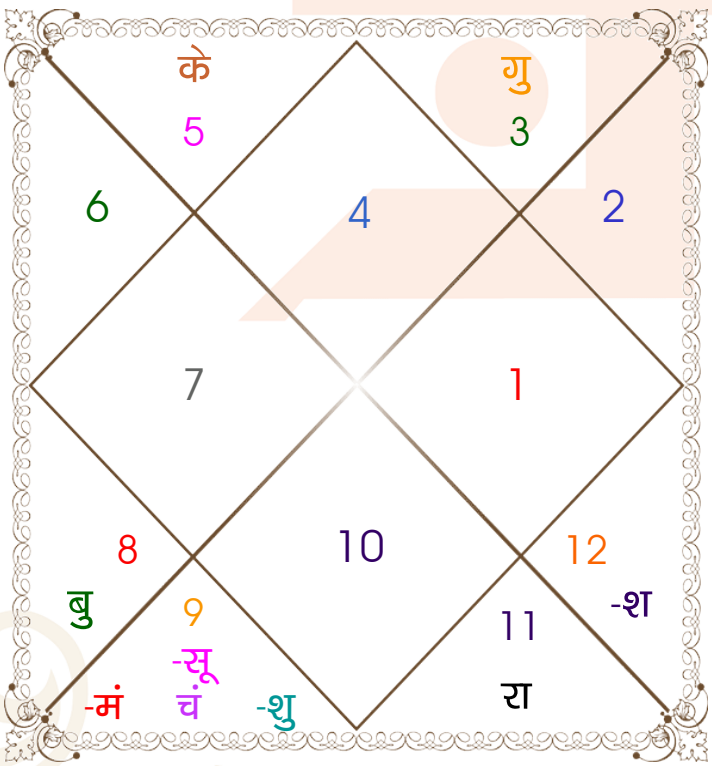

चन्द्र कुंडली

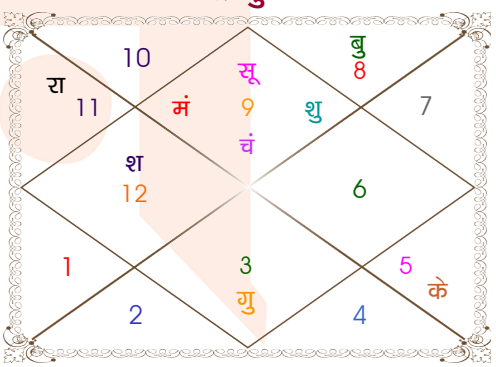

नवमांश कुंडली

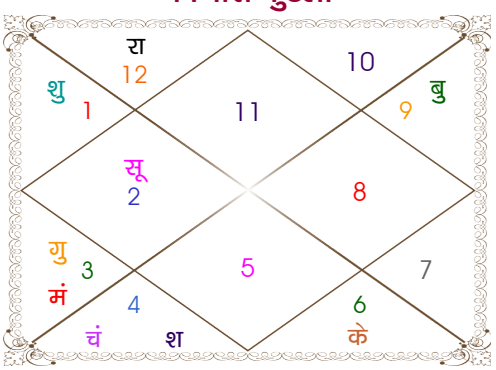

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 0 मास 11 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/12/2025		01/01/2027		01/01/2047		01/01/2053		01/01/2063	
01/01/2027		01/01/2047		01/01/2053		01/01/2063		01/01/2070	
	00/00/0000	शुक्र	03/05/2030	सूर्य	21/04/2047	चंद्र	01/11/2053	मंगल	31/05/2063
	00/00/0000	सूर्य	03/05/2031	चंद्र	21/10/2047	मंगल	02/06/2054	राहु	17/06/2064
	00/00/0000	चंद्र	01/01/2033	मंगल	25/02/2048	राहु	02/12/2055	गुरु	24/05/2065
	00/00/0000	मंगल	03/03/2034	राहु	19/01/2049	गुरु	02/04/2057	शनि	03/07/2066
	00/00/0000	राहु	03/03/2037	गुरु	07/11/2049	शनि	01/11/2058	बुध	30/06/2067
	00/00/0000	गुरु	02/11/2039	शनि	20/10/2050	बुध	02/04/2060	केतु	26/11/2067
	20/12/2025	शनि	01/01/2043	बुध	27/08/2051	केतु	01/11/2060	शुक्र	25/01/2069
शनि	04/01/2026	बुध	01/11/2045	केतु	02/01/2052	शुक्र	03/07/2062	सूर्य	02/06/2069
बुध	01/01/2027	केतु	01/01/2047	शुक्र	01/01/2053	सूर्य	01/01/2063	चंद्र	01/01/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/01/2070		02/01/2088		03/01/2104		02/01/2123		03/01/2140	
02/01/2088		03/01/2104		02/01/2123		03/01/2140		00/00/0000	
राहु	13/09/2072	गुरु	19/02/2090	शनि	05/01/2107	बुध	31/05/2125	केतु	31/05/2140
गुरु	07/02/2075	शनि	01/09/2092	बुध	15/09/2109	केतु	28/05/2126	शुक्र	31/07/2141
शनि	14/12/2077	बुध	08/12/2094	केतु	24/10/2110	शुक्र	28/03/2129	सूर्य	06/12/2141
बुध	02/07/2080	केतु	14/11/2095	शुक्र	24/12/2113	सूर्य	02/02/2130	चंद्र	07/07/2142
केतु	21/07/2081	शुक्र	15/07/2098	सूर्य	06/12/2114	चंद्र	04/07/2131	मंगल	03/12/2142
शुक्र	20/07/2084	सूर्य	03/05/2099	चंद्र	06/07/2116	मंगल	30/06/2132	राहु	21/12/2143
सूर्य	14/06/2085	चंद्र	02/09/2100	मंगल	15/08/2117	राहु	18/01/2135	गुरु	26/11/2144
चंद्र	14/12/2086	मंगल	09/08/2101	राहु	21/06/2120	गुरु	24/04/2137	शनि	21/12/2145
मंगल	02/01/2088	राहु	03/01/2104	गुरु	02/01/2123	शनि	03/01/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 0 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ है। तत्क्षण मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्नान्तर्गत कुंभ का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्रीय प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि कोई अतिरिक्त प्रभाव नहीं तथापि आशा है कि आपको अपनी अच्छी जिन्दगी के लिए जीवन के 34 वें वर्ष तक उत्सुकता पूर्वक प्रतीक्षा करनी होगी। परन्तु आप यदि विश्वासपूर्वक कृतसंकल्पित होकर भली प्रकार अपने कर्मपथ पर प्रयासरत एवं कार्यरत रहें तो समय के पूर्व भी सफल हो सकते हैं।

आपकी राशि प्रभाव से यह स्पष्ट संकेत प्राप्त होता है कि आपकी आय अच्छी होगी परन्तु आपके सम्बंध में सभी लोग जानते है कि आप मध्यपान एवं आनन्द प्राप्त करते हैं। परन्तु यह विन्दु स्पष्ट करता है कि आप किस प्रकार रमणीय एवं मूल्यवान प्रेम सम्बंध से सुरक्षित रह सकेंगे। सम्प्रति आपकी मनोवृति अत्यधिक स्वार्थपूर्ण हैं। आप सदैव अधिक मात्रा में अपने स्वार्थ साधन हेतु धन का व्यय कर सकते हैं। इस दशा में आपकें बृहद् परिवार के साथ मतभिन्नता रहना स्वभाविक है कि आपकी पत्नी के साथ आपका उत्कट प्रेम एवं अनुशासित सन्तान का स्नेह सम्बंध किस प्रकार मधुर बना रह सकेगा।

अतएव आपको सावधानी पूर्वक धन का व्यय करना चाहिए अन्यथा आपका जीवन एवं पारिवारिक सम्बंध स्थापित रहना अस्वाभाविक है।

यह आपके ऊपर निर्भर है कि आप अपनी स्वाभाविक क्षमता के अनुरूप इस महत्वपूर्ण कार्य का सम्पादन कर लाभान्वित हो। आप रूचिकर साहित्य का पठन एवं लेखन कर प्रभावशाली बातचीत करते हैं। आप अन्य लोगों पर इसका समुचित उपयोग कर अपना प्रभाव जमा सकते हैं। यदि आप अन्य लोगों के साथ इस नकारात्मक गुणों का व्यवहार करें तो अन्य लोगों को ऐसा सन्देह हो सकता है कि आप उनके साथ धोखा धड़ी करते हैं। यदि एक वार लोगों की ऐसा धारणा बन गई तो पुनः इसको मिटना दुष्कर कार्य होगा। परिणाम स्वरूप आप अपने व्यवसायिक एवं अन्य व्यवहार लोगों के साथ कर के सफलता प्राप्त नहीं करेंगे।

परन्तु यदि आप अपनी प्रवृति अच्छे कार्यो के अनुरूप कर ले तो आप स्वयं ही नहीं बल्कि सहयोगी बन्धु-बान्धव एवं अतिप्रिय व्यक्ति युक्त आवश्यकता के अनुरूप सुखद जीवन बिता सकते हैं। आपके लिए सुन्दर एवं अनुकूल व्यवसाय प्रवृति के अनुरूप वाणिज्य व्यवसाय हेतु लेखा परीक्षण का कार्य, ट्रेवल्स एजेन्ट्स एवं यानी निर्देशन का कार्य (गाईड का कार्य) सुन्दर एवं अनुकूल है।

आप स्वाभाविक रूप से समर्पित व्यक्ति हैं। आपकी धार्मिक मामले में अभिरूचि है और आपका विकास भी इसी क्षेत्र में होगा। यह गुण आपके सामान्य ज्ञान एवं आपकी शिक्षा द्वारा दर्शनशास्त्र के प्रकाशन से संभव एवं अनुकूल हो सकता है। इसके द्वारा आपको लाभांश प्राप्त होगा।

आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं उत्तम रहेगा। परन्तु यह संभव है कि आप उदर रोग,

जलोदर, एवं गांठ की जोड़ों दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको निर्देश है कि आप स्वास्थ्य के सम्बंध में पूर्ण सावधानी बरतें एवं समय-समय पर संयमित जीवन व्यतीत करने के लिए चिकित्सा सम्बंधी जाँच कराते रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली अनुकूल एवं प्रफ्फुलित करने वाला है। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक निष्क्रिय एवं अंक 3 एवं 5 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपका भाग्यशाली रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं सफेद रंग है तथा नकारात्मक रंग हरा एवं ब्लू रंग है।